Roll No. ..... Total Pages: 04

2148

B.A. SECOND YEAR EXAMINATION, 2019

RAJASTHANI

Paper – II

(पद्य)

Time: Three Hours

Maximum Marks: 100

PART – A (खण्ड – अ) *[Marks: 20]*

Answer all questions (50 words each).

All questions carry equal marks.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART – B (खण्ड – ब) *[Marks: 50]*

Answer five questions (250 words each).

Selecting one from each unit. All questions carry equal marks.

*प्रत्येक इकाई से **एक–एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल पाँच प्रश्न कीजिए।*

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART – C (खण्ड – स) *[Marks: 30]*

Answer any two questions (300 words each).

All questions carry equal marks.

*कोई **दो प्रश्न** कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो।*

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड– अ

प्र.1 निम्नलिखित सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

(i) 'दूखती रग' कविता में कवि ने दूखती रग के पीछे किसका हाथ माना है?

(ii) 'हंसतोड़ा होठां रो सांच' काव्य – संग्रह के रचयिता का नाम लिखिए।

(iii) 'नये वरण के संग ही, जूनो होत शरीर' पंक्ति में निहित भाव को स्पष्ट कीजिए।

(iv) महाराज चतुरसिंह जी बावजी का जन्म कब हुआ था?

(v) 'नागदमण' काव्य – संग्रह की रचना का मुख्य उद्धेश्य क्या है?

(vi) 'नागदमण' की रचना किस भाषा में की गई है?

(vii) 'बलदेव बुझ्यो दिखाल्यौ सुदामा .....' पद में बलदेव सुदामा को क्या दिखाने के लिए कह रहे हैं?

(viii) 'आलस नै आराम गणै नै, मैनत शूं भयभीत।' पंक्ति किस काव्य संग्रह से ली गई है?

(ix) 'वयण – सगाई' अलंकार का लक्षण लिखिए।

(x) 'उच्च' और 'ओष्ठ' शब्दों के तद्भव रूप लिखिए।

खण्ड – ब

इकाई – I

प्र.2 'हंसतोड़ा होठां रो सांच' काव्य – संग्रह में संकलित कविताओं के भाव – पक्ष को उद्घाटित कीजिए।

अथवा

प्र.3 'उठतो – जमारौ' कविता को केन्द्र में रखते हुए कवि आईदान सिंह भाटी की काव्य – कला पर प्रकाश डालिए।

इकाई – II

प्र.4 'चतुर – चिन्तामणि' की पदावली में निहित मानवता के संदेश पर सविस्तार टिप्पणी कीजिए।

अथवा

प्र.5 'चतुर – चिन्तामणि' के भाषिक – पक्ष की समीक्षा कीजिए।

इकाई – III

प्र.6 'नागदमण' के काव्य – सौष्ठव को प्रस्तुत कीजिए।

अथवा

प्र.7 'नागदमण' काव्य – संग्रह कवि की मौलिक उद्‌भावना से प्रस्फुटित हुआ है' स्पष्ट कीजिए।

इकाई – IV

प्र.8 निम्नलिखित पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

वगत रौ वायरौ सांच नै
बारै काढ़ लावै।
रागां अर साजां रै
मुधरै मेल
सूली री पीड़ा
कुण कम कीनी?
रंग भीनी रातां में
पीड़ रै प्यालां नै कुण पूछै?

अथवा

प्र.9 ससंदर्भ व्याख्या कीजिए –

उण रात नै
जिण में मिनख नै मार नै
खण – खण खलकगी थैलियां
इन सभ्यता रै सार में
इण रगत रै वौपार में।
कितरा निकलग्या काफला
करडांण रा
पण आदमी री आज है कितरी कमी।

इकाई – V

प्र.10 सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

या असार संसार में, हरि को नाम बिसार।

सूकर नाम धराय कै, को सोधै अतिसार।।

जनमत ही रोयो जहां, तहां कहां सुख लैश।

दुःख में सुख सोधै सकल, यातै अधिक कलैश।।

अथवा

प्र.11 सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

पगां घूघरी रोल आणंद पुंजा,

गलै हार मोती रूलै माल गुंजा।

बिचै दूलड़ी हेक चौकी विराजै,

जिसौ राजवी केहरी – नख्ख राजै।।

खण्ड– स

प्र.12 स्वावलंबन व स्वाभिमान की प्रतिमूर्ति महाराज चतुरसिंह जी बावजी की जीवनी पर सविस्तार प्रकाश डालिए।

प्र.13 'हंसतोड़ा होठां रो सांच' काव्य – संग्रह की मूल – संवेदना को स्पष्ट कीजिए।

प्र.14 'नागदमण' काव्य – संग्रह के वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए।

प्र.15 (अ) 'वयण – सगाई' अलंकार का कोई एक उदाहरण देते हुए उसके प्रकारों का उल्लेख कीजिए।

(ब) तत्सम शब्दों को परिभाषित करते हुए किन्हीं पाँच तत्सम शब्दों के तद्भव रूप लिखिए।